UNIVERSITY NEWS 16 JUNE 2026

SWATANTRA BHARAT

जलवायु परिवर्तन के बीच वरिष्ठ नागरिकों की भूमिका पर हेल्पएज इंडिया की राष्ट्रीय रिपोर्ट जारी

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। विश्व वृद्धजन दुर्व्यवहार जागरूकता दिवस के अवसर पर हेल्पएज इंडिया ने अपनी राष्ट्रीय अध्ययन रिपोर्ट क्लाइमेट रेजिलिएंट एजिंग देखभाल, गरिमा और सहभागिता सुनिश्चित करना का विमोचन लखनऊ विश्वविद्यालय के सामाजिक कार्य विभाग में आयोजित कार्यक्रम में किया। इस अवसर पर डॉ. हीरालाल (आईएएस), प्रो. हर्ष शर्मा, डॉ. अल्का शर्मा, श्री श्यामपाल सिंह और श्री अनूप पंत सहित कई गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम में करीब 250 वरिष्ठ नागरिकों और विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। यह अध्ययन देश के 10 राज्यों के 20 जिलों में 2,224 वरिष्ठ नागरिकों पर आधारित है, जिसमें जलवायु परिवर्तन के प्रभावों और उससे निपटने में बुजुर्गों की भूमिका, अनुभव और आवश्यकताओं का विश्लेषण किया गया है। रिपोर्ट में सामने आया है कि पिछले कुछ वर्षों में वरिष्ठ नागरिकों को हीटवेव, बाढ़ और सूखे जैसी गंभीर परिस्थितियों का सामना करना पड़ा है, लेकिन उन्होंने अपने अनुभव, पारिवारिक सहयोग और सामुदायिक समर्थन के जरिए बेहतर अनुकूलन क्षमता और धैर्य का परिचय दिया है। हेल्पएज इंडिया के राज्य प्रमुख श्री अनूप पंत ने कहा कि वरिष्ठ नागरिक केवल सहायता प्राप्त करने वाले वर्ग नहीं हैं, बल्कि वे अपने अनुभव और ज्ञान से समाज को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन से जुड़ी नीतियों और कार्यक्रमों में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करना समय की आवश्यकता है। रिपोर्ट में यह भी उल्लेख किया गया है कि पेंशन, सार्वजनिक वितरण प्रणाली और आयुष्मान भारत जैसी सरकारी योजनाएं वरिष्ठ नागरिकों के जीवन में महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान कर रही हैं, जबकि परिवार और समुदाय उनकी देखभाल में अहम भूमिका निभा रहे हैं। अध्ययन में सुझाव दिया गया है कि स्वास्थ्य सेवाओं, सामाजिक सुरक्षा और सामुदायिक सहभागिता को और मजबूत किया जाए ताकि वरिष्ठ नागरिक सम्मान और आत्मनिर्भरता के साथ जीवन जी सकें। हेल्पएज इंडिया के बारे में रिपोर्ट में बताया गया है कि संस्था पिछले 48 वर्षों से वरिष्ठ नागरिकों के स्वास्थ्य, देखभाल, आजीविका, आपदा राहत और डिजिटल सशक्तिकरण के क्षेत्र में कार्य कर रही है और इसे संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या पुरस्कार तथा भारत सरकार के वयोश्रेष्ठ सम्मान से सम्मानित किया जा चुका है।

VOICE OF LUCKNOW

लविवि ने विधि छात्रों को दी राहत

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में विधि को छोड़कर अन्य सभी स्नातक और परास्नातक कोर्सेज में राष्ट्रीय शिक्षा नीति को पूरी तरह से लागू किया जा चुका है। बीसीआई (बार काउंसिल ऑफ इंडिया) द्वारा अभी तक विधि पाठ्यक्रमों में एनईपी लागू किये जाने के संबंध में कोई स्पष्ट और अंतिम दिशा-निर्देश प्राप्त नहीं होने के कारण, विधि के कोर्सेज में पुराना शैक्षणिक ढांचा ही चल रहा था। इस अनिश्चितता की स्थिति को देखते हुए, छात्रों के व्यापक हित को सर्वोपरि रखते हुए और विश्वविद्यालयी परीक्षा प्रणाली में एकरूपता लाने के उद्देश्य से एक अत्यंत महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। छात्रों की निरंतर आ रही मांगों और बीसीआई की लीगल एजुकेशन कमेटी के कड़े मानकों को ध्यान में रखते हुए विधि अध्ययन मंडल और संकाय परिषद द्वारा एक विशेष संशोधन प्रस्ताव पारित किया गया है। इस नए प्रस्ताव के अनुसार, विधि त्रिवर्षीय एवं पंचवर्षीय पाठ्यक्रम के अध्यादेशों यथा 2021-22 एवं 2025-26 में एक बड़ा व्यावहारिक बदलाव किया गया है। इससे पहले जो व्यवस्था लागू थी, उसमें 100 अंकों के मूल्यांकन में से 90 अंक की लिखित परीक्षा और केवल 10 अंक का आंतरिक मूल्यांकन होता था। इस पुरानी व्यवस्था के स्थान पर अब नया पैटर्न लागू किया गया है, जिसके तहत अब 75 अंक की लिखित परीक्षा तथा 25 अंक का आंतरिक मूल्यांकन निर्धारित किया गया है। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. जेपी सैनी ने कहा कि लखनऊ विश्वविद्यालय अपने छात्रों के समग्र विकास और उनके शैक्षणिक हितों की रक्षा के लिए सदैव प्रतिबद्ध है।

लविवि में 22 यूजी और 25 तक पीजी के होंगे आवेदन

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रवेश समन्वयक प्रो. अनित्य गौरव ने बताया कि विश्वविद्यालय में केंद्रीयकृत प्रवेश व्यवस्था के तहत ऑनलाइन परास्नातक पाठ्यक्रमों की प्रवेश प्रक्रिया में ऑनलाइन प्रवेश फार्म भरने की अंतिम तिथि 15 जून से बढ़ाकर 25 जून कर दी गयी है। वहीं स्नातक के लिए अंतिम तिथि 22 जून निर्धारित की गयी है।

HINDUSTAN TIMES

Edu institutions gear up for Yoga Day

LUCKNOW: Educational institutions are gearing up for the International Yoga Day celebrations, extending it from a one-day event to week-long and, in some cases, month-long activities.

At Lucknow University, month-long yoga campaign leading up to International Yoga Day is being organised. Daily collective yoga practice sessions are being held at the Yoga Hall, Yoga Faculty, Second Campus, LU.

These are followed by specialised workshops and seminars. The schedule includes: a workshop on Tratak on June 16, a seminar on the effect of pranayama on the human body on June 17, and a seminar on the role of yoga in developing memory power on June 19, said spokesperson Senior Prof Mukul Srivastava.

University will observe Yoga Day with a mass yoga session based on the Common Yoga Protocol followed by a seminar on 'World Peace and Yoga'. "Month-long programme reflects LU's commitment to promoting physical, mental and spiritual well being, and making yoga a sustainable part of students' and staff's daily routine beyond a single-day observance," said Srivastava.

Khwaja Moinuddin Chisti Language University is holding week-long celebrations that began on Monday on the theme 'Yoga for Healthy Ageing'. The week-long activities aim to promote holistic health, healthy ageing and yoga as part of daily life for students, staff, senior citizens and the wider community. The schedule included a Walkathon for Yoga on June 15 to spread awareness, a special lecture on Healthy Ageing and Yoga to be held on June 16, and a dedicated yoga session for senior citizens on June 17 to improve flexibility, balance and stress management.

TIMES OF INDIA

'Meditation helps in varicose vein surgery'

Times News Network

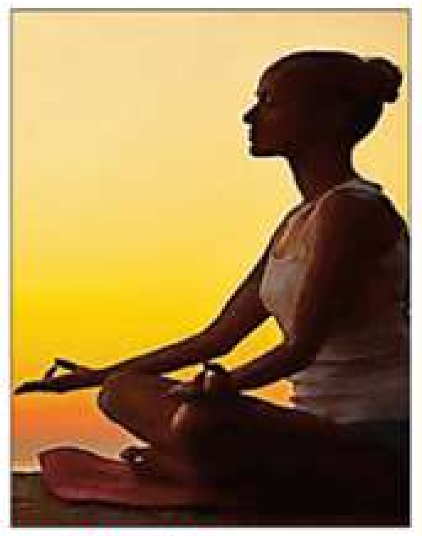

MIND THERAPY

Lucknow: Practising meditation before surgery can reduce anxiety and improve heart rate and ensure blood pressure stability in patients undergoing treatment for varicose veins, a joint study by Lucknow University (LU) and King George's Medical University (KGMU) has found.

Varicose veins are swollen, twisted and enlarged veins that typically appear just under the skin in the legs and feet. The study was conducted by assistant professor at LU's department of yoga and alternative medicine Amarjeet Yadav, professor in the department of anaesthesiology and critical care at KGMU Dr Rajni Gupta and MD resident Chaitanya Gahlot.

The study involved 60 patients aged between 25 and 60 years who were scheduled for endovenous laser ablation (EVLA) for varicose veins, said Dr Gupta. "Participants were divided into two groups. One group practised meditation for a week before surgery, while the other received standard surgical care," she said.

The patients who practised meditation reported lower levels of anxiety before and after surgery and better vital parameters.

AMRIT VICHAR

बीफार्मा प्रवेश सीयूईटी यूजी से होंगे

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय मे सत्र 2026-27 मे बीफार्मा पाठ्यक्रम मे प्रवेश सीयूईटी यूजी 2026 की मेरिट से लिए जाएंगे। विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट आफ फार्मेसी में संचालित बीफार्मा पाठ्यक्रम मे प्रवेश सीयूईटी मेरिट के आधार होंगे। जिन अभ्यर्थियों ने सीयूईटी यूजी 2026-27 की परीक्षा दी है वे लखनऊ विश्वविद्यालय की वेबसाइट के समर्थ पोर्टल पर आवेदन करें। अंतिम तिथि 15 जून से बढ़ाकर 30 जून कर दिया गया है।

स्नातक आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ी

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के सत्र 2026-27 की केंद्रीयकृत प्रवेश व्यवस्था के अंतर्गत आनलाइन स्नातक पाठ्यक्रमों की प्रवेश प्रक्रिया मे ऑनलाइन प्रवेश फार्म भरने की अंतिम तिथि को भी 15 जून से बढ़ाकर 22 जून कर दिया गया है।

विधि संकाय में बदलाव, 75 अंक की होगी लिखित परीक्षा

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: लखनऊ विश्वविद्यालय में विधि को छोड़कर अन्य सभी स्नातक और परास्नातक पाठ्यक्रमों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति को पूरी तरह से लागू किया जा चुका है। बार काउंसिल ऑफ इंडिया द्वारा अभी तक विधि पाठ्यक्रमों में एनईपी लागू किए जाने के संबंध में कोई स्पष्ट और अंतिम दिशानिर्देश प्राप्त नहीं होने के कारण, विधि के कोर्सेज में पुराना शैक्षणिक ढांचा ही चल रहा था। अब इसमें व्यापक बदलाव किया गया है जिसमें परीक्षा प्रणाली में एकरूपता लाने के लिए नए नियम बनाए गए हैं। नए प्रस्ताव के अनुसार विधि त्रिवर्षीय एवं पंचवर्षीय पाठ्यक्रम में 100 अंकों के मूल्यांकन में से 90 अंक की लिखित परीक्षा और केवल 10 अंक का आंतरिक मूल्यांकन होता था। इस पुरानी व्यवस्था के स्थान पर अब नया पैटर्न लागू किया गया है।

नई व्यवस्था में अब 75 अंक की लिखित परीक्षा तथा 25 अंक का आंतरिक मूल्यांकन निर्धारित किया गया है। अब छात्रों को परीक्षा पास करने के लिए न्यूनतम 45 प्रतिशत अंक प्रत्येक सेमेस्टर में प्राप्त करना अनिवार्य होगा। बैक पेपर और अगली कक्षा में प्रमोशन (प्रोन्नत) के संबंध में भी छात्रों को एक बड़ी राहत दी गई है। निर्णय के अनुसार, यदि कोई छात्र या छात्रा प्रथम एवं द्वितीय सेमेस्टर के कुल प्रश्न पत्रों में से यदि बारह प्रश्न पत्रों में से 6 में प्रश्न पत्रों में उत्तीर्ण हैं और शेष में अनुत्तीर्ण तो भी उन्हें विशेष राहत देते हुए तृतीय सेमेस्टर में प्रोन्नत कर दिया जाएगा।

AMRIT VICHAR

लविवि ने प्रवेश आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ाई

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के सत्र 2026-27 की केंद्रीयकृत प्रवेश व्यवस्था के अंतर्गत आनलाइन परास्नातक पाठ्यक्रमों की प्रवेश प्रक्रिया मे ऑनलाइन प्रवेश फार्म भरने की अंतिम तिथि 15 जून से बढ़ा कर 25 जून कर दिया गया है।

समग्र और बहुविषयी शिक्षा पर कार्यक्रम प्रारंभ

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में यूजीसी-मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र और शिक्षा विभाग के तत्वावधान में "समग्र एवं बहुविषयी शिक्षा" पर उन्मुखीकरण एवं संवेदनशीलता कार्यक्रम आरंभ किया गया। कार्यक्रम के समन्वयक तथा शिक्षा विभाग के अधिष्ठाता एवं अध्यक्ष प्रो. श्रवण कुमार ने अतिथियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए उच्च शिक्षा में समग्र, शिक्षार्थी-केंद्रित तथा बहुविषयी दृष्टिकोण को बढ़ावा देने में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की परिवर्तनकारी भूमिका पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का शुभारंभ कुलपति प्रो. जेपी सैनी के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।

AMRIT VICHAR

बिना कुलसचिव कार्यालय की जानकारी के नहीं हटेंगे संविदाकर्मी

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

• लविवि कुलसचिव ने जारी किया विभागाध्यक्षों को पत्र

अमृत विचार : लखनऊ विश्वविद्यालय में कार्यरत संविदा कर्मचारियों के साथ मनमानी पर रोक लगाते हुए कुलपति प्रो. जेपी सैनी ने सख्त रुख अपनाया है। कुलसचिव ने सभी विभागाध्यक्षों और संकाय प्रमुखों को पत्र जारी करते हुए कहा कि देखा जाता है कि वाह्य सेवा प्रदाता के माध्यम से कर्मचारियों को नियोजित किया जाता है। लेकिन संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष या निदेशक आदि द्वारा आउटसोर्सिंग कर्मचारी को कार्य असंतोषजनक या अन्य किसी कारण से कर्मचारी की सेवा समाप्त कर दी जाती है। इसके बाद अन्य कर्मचारी को नियोजित करने हेतु एजेंसी को अपने स्तर से पत्र प्रेषित कर कर्मचारी नियोजित कर लिया जाता है।

इसे लेकर कुलसचिव ने कहा है कुलपति के आदेश के अनुपालन में अनुरोध है कि सम्बन्धित विभागों में आउटसोर्सिंग के माध्यम से कार्यरत कार्मिकों का कार्य असंतोषजनक होने, किसी कार्मिक का निधन होने या अन्य किसी कारण से पूर्व में अनुमोदित पद के सापेक्ष कार्मिकों को नियोजित करने हेतु कुलसचिव कार्यालय में कार्मिक उपलब्ध कराये जाने हेतु पत्र प्रेषित करना होगा। उल्लेखनीय है कि कुलपति कार्यालय के स्वीकृति के बाद ही संविदा कर्मचारी रखे जाते हैं लेकिन उनकी सेवाएं संबंधित विभागाध्यक्षों पर निर्भर हो जाती हैं। जिस पर अब रोक लगा दिया गया है।

निजी कार्यों में लगाए जाने का आरोप: संविदा कर्मचारियों द्वारा आरोप लगाया जाता रहा है कि विश्वविद्यालय के उनके विहित कार्य से अलग उनसे निजी कार्य कराएं जाते हैं जो उनके संविदा का हिस्सा नहीं होते। उक्त कार्य न करने पर कार्यमुक्त कर दिए जाने की धमकी भी दी जाती रही है। लेकिन नए आदेश के बाद संविदा कर्मचारियों को उनके नियोजक द्वारा ही कार्यमुक्त किया जा सकेगा।

NBT

गुटखा से मुंह लॉक होने की वजह है 'एरेकोलिन'

CIMAP, CDRI और LU के रिसर्चर्स ने मिलकर किया शोध

■ सैयद सना, लखनऊ : हर वक्त मुंह में गुटखा, पान-मसाला या सुपारी दबाने की आदत महंगी पड़ सकती है। CSIR-केंद्रीय औषधीय सगंध पौधा संस्थान (सीमैप) लखनऊ के वैज्ञानिकों ने रिसर्च में दावा किया है कि सुपारी में मौजूद 'एरेकोलिन' नाम का रसायन ही मुंह को धीरे-धीरे बंद करने वाली खतरनाक बीमारी OSMF की जड़ है। सीमैप के डॉ. नारायण प्रसाद यादव, डॉ. सरिता पाल, और उनकी टीम का यह शोध अंतरराष्ट्रीय जर्नल 'आर्काइव्स ऑफ ओरल बायोलॉजी' में प्रकाशित हुआ है। OSMF यानी ओरल सबम्यूकस फाइब्रोसिस मुंह के कैंसर से पहले की स्टेज है। इसमें मरीज धीरे-धीरे मुंह नहीं खोल पाता और खाना-पीना मुश्किल हो जाता है।

ऐसे खुला राज: टीम ने बीमारी के मैकेनिज्म को समझने के लिए लैब में इंसानी कोशिकाओं और चूहों पर परीक्षण किए। इसमें एरेकोलिन के संपर्क में आते ही कोशिकाओं में 'ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस' यानी कोशिकीय तनाव पैदा हो गया। इसके साथ ही शरीर को नुकसान पहुंचाने वाले प्रो-इन्फ्लेमेटरी साइटोकिन्स IL-6, TNF-alpha और फाइब्रोसिस बढ़ाने वाले जीन TGF-beta1 की मात्रा तेजी से बढ़ गई। वैज्ञानिकों ने चूहों को वजन के हिसाब से एरेकोलिन का इंजेक्शन दिया। परिणाम चौंकाने वाले थे। कम खुराक 1 mg/kg लेने वाले चूहों में 25 दिन बाद OSMF के लक्षण दिखे। वहीं थोड़ी ज्यादा खुराक 2 mg/kg वाले चूहों में सिर्फ 15 दिन में ही मुंह का लचीलापन खत्म हो गया और उनका मुंह खुलना काफी कम हो गया। मुंह में कड़ापन आने के कारण चूहे ठीक से खाना नहीं खा सके। इससे उनका वजन भी तेजी से गिर गया। सीमैप के निदेशक डॉ. प्रबोध कुमार ने इसके लिए सभी को बधाई दी है।

क्यों अहम है रिसर्च?

अब तक OSMF के लिए दवा खोजने को लेकर कोई सटीक और कम समय वाला लैब मॉडल नही था। यह नया एरेकोलिन-इड्यूस्ड माउस मॉडल भविष्य मे नई दवाओ की खोज और उनके परीक्षण के लिए एक प्रभावी मंच देगा।

NBT Lens खबरों के अंदर की बात

NBT

खबरें कर्मचारियों की | LU मे विभागाध्यक्ष और डीन सीधे एजेंसी से नही कर सकेंगे पत्राचार

मनमाने ढंग से नहीं हटाए जाएंगे कर्मचारी

■ NBT न्यूज, लखनऊ: एलयू में अब सेवा प्रदाताओं (आउटसोर्सिंग) के माध्यम से काम कर रहे कर्मचारियों को विभागाध्यक्ष या अधिकारी अपनी मर्जी से सेवामुक्त नहीं कर सकेंगे। विवि प्रशासन ने इस पर कड़ा रुख अपनाते हुए सेवा समाप्ति और कार्य संतोषजनक न पाए जाने को लेकर एक कार्यालय आदेश जारी किया है।

कुलसचिव डॉ. भावना मिश्रा द्वारा जारी पत्र में कहा गया है कि विवि के विभिन्न विभागों, कार्यालयों और संस्थानों के प्रभारी या अधिकारी आउटसोर्सिंग कर्मचारियों का काम संतोषजनक न होने या अन्य कारणों का हवाला देकर सीधे एजेंसी को पत्र भेज देते थे और अपनी स्तर से कर्मचारी को हटाकर नया रख लेते थे इस अव्यवस्था को रोकने के लिए वीसी के अनुमोदन के बाद अब नई व्यवस्था लागू कर दी गई है। नए आदेश के तहत अगर किसी आउटसोर्सिंग कर्मचारी का कार्य असंतोषजनक है, किसी कर्मचारी का निधन हो जाता है, या किसी अन्य वजह से पद रिक्त होता है, तो अधिकारी सीधे एजेंसी से पत्राचार नहीं करेंगे। इसके बजाय, उन्हें स्वीकृत पद के सापेक्ष नया कर्मचारी नियुक्त करने के लिए कुलसचिव कार्यालय को अनुरोध पत्र भेजना होगा। कुलसचिव कार्यालय के माध्यम से ही नए कार्मिक उपलब्ध कराए जाएंगे। यह आदेश सभी संकायाध्यक्षों, विभागाध्यक्षों, निदेशकों को सख्ती से पालन करने होंगे।

UNIVERSITY NEWS 16 JUNE 2026

AMAR UJALA

लविवि ने बदला विधि परीक्षा पैटर्न आंतरिक मूल्यांकन अब 25 अंक का

लखनऊ। लविवि ने विधि पाठ्यक्रमों की परीक्षा प्रणाली में बदलाव किया है। अब आंतरिक मूल्यांकन के अंक 10 से 25 कर दिए गए हैं। लिखित परीक्षा 90 से घटाकर 75 अंकों की होगी। नया पैटर्न त्रिवर्षीय और पंचवर्षीय विधि पाठ्यक्रमों के अध्यादेशों 2021-22 और 2025-26 पर लागू होगा। विधि अध्ययन मंडल और संकाय परिषद की 26 मई को हुई बैठक में यह प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित हुआ। कुलपति जेपी सैनी ने कहा कि यह पैटर्न बीसीआई के मानकों के अनुरूप छात्रों को राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए सक्षम बनाएगा। छात्रों को हर सेमेस्टर में न्यूनतम 45 फीसदी अंक लाने होंगे। बैक पेपर और अगली कक्षा में प्रोन्नत होने के नियमों में भी राहत दी गई है। पहले और दूसरे सेमेस्टर के कुल 12 प्रश्नपत्रों में से छह में उत्तीर्ण होने पर छात्र को तीसरे सेमेस्टर में प्रोन्नत किया जाएगा। (माई सिटी रिपोर्टर)

शिक्षकों, शोधार्थियों को बताए नई शिक्षा नीति के लक्ष्य

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में सोमवार से यूजीसी-मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र और शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में समग्र एवं बहुविषयी शिक्षा विषय पर आठ दिवसीय राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 का उन्मुखीकरण कार्यक्रम शुरू हुआ। 22 जून तक चलने वाले कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षकों और शोधार्थियों को नई शिक्षा नीति के लक्ष्यों से परिचित कराना है। (माई सिटी रिपोर्टर)

सीयूईटी-यूजी मेरिट से होंगे बीफार्मा में प्रवेश

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी में संचालित बीफार्मा पाठ्यक्रम में प्रवेश सीयूईटी-यूजी मेरिट के आधार पर होंगे। जिन अभ्यर्थियों ने सीयूईटी-यूजी 2026 की परीक्षा दी है, उन्हें विवि की वेबसाइट पर प्रवेश पोर्टल के माध्यम से आवेदन करना होगा। अंतिम तिथि 15 जून से 30 जून कर दी गई है। प्रवेश समन्वयक प्रो. अनित्य गौरव की ओर से जारी नोटिस में बताया गया कि प्रवेश के लिए वही पात्र होंगे, जिन्होंने इंटर की परीक्षा फिजिक्स, केमिस्ट्री तथा बायोलॉजी/मैथमेटिक्स विषयों के साथ उत्तीर्ण की हो। (माई सिटी रिपोर्टर)

एमएससी और एमए के परीक्षाफल जारी

लखनऊ। लविवि ने एमएससी माइक्रोबायोलॉजी व एमएससी बायोकेमिस्ट्री के परिणामों की घोषणा कर दी है। एमए वेस्टर्न हिस्ट्री व एमए ज्योतिर्विज्ञान का रिजल्ट भी जारी कर दिया है। (माई सिटी रिपोर्टर)

प्रो. दिनेश बने प्रकोष्ठ के अध्यक्ष

लखनऊ। लविवि की कुलसचिव डॉ. भावना मिश्रा ने समान अवसर प्रकोष्ठ का गठन किया है। इसके अध्यक्ष की जिम्मेदारी शिक्षा संकाय के प्रोफेसर दिनेश कुमार को दी गई है। हिंदी विभाग के प्रो. वाईपी सिंह, आधुनिक भारतीय इतिहास विभाग की प्रो. शमा महमूद और गणित विभाग के डॉ. विनीत कुमार को सदस्य नामित किया गया है। (माई सिटी रिपोर्टर)

प्रो. राशि कनौजिया को बनाया विभागाध्यक्ष

लखनऊ। लविवि प्रशासन ने शारीरिक शिक्षा विभाग में अध्यक्ष की जिम्मेदारी प्रो. राशि कनौजिया को सौंपी है। कुलसचिव डॉ. भावना मिश्रा ने बताया कि उन्हें तीन वर्ष के लिए यह जिम्मेदारी दी गई है। (माई सिटी रिपोर्टर)

HINDUSTAN

शिक्षा नीति से उच्च शिक्षा में परिवर्तनकारी भूमिका

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में यूजीसी-मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र एवं एलयू शिक्षा विभाग की ओर से समग्र एवं बहुविषयी शिक्षा विषय पर आठ दिवसीय राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 उन्मुखीकरण एवं संवेदनशीलता कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। यह कार्यक्रम 22 जून तक जारी रहेगा। कार्यक्रम का एलयू कुलपति प्रो. जेपी सैनी के आशीर्वचन एवं मार्गदर्शन में हुआ। कार्यक्रम में विभिन्न वक्ताओं ने अपने विचार रखते हुए बात स्पष्ट की।

AMAR UJALA

लविवि और भाषा विवि ने बढ़ाई आवेदन की तिथि

भाषा विश्वविद्यालय में अब 30 जून तक कर सकेंगे आवेदन

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय और ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विवि ने प्रवेश के लिए आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ा दी है। लविवि ने केंद्रीयकृत प्रवेश प्रक्रिया के तहत स्नातक (यूजी) में दाखिले की अंतिम तिथि सप्ताहभर व परास्नातक (पीजी) पाठ्यक्रमों में दाखिले के आवेदन की अंतिम तिथि दस दिन बढ़ा दी है। भाषा विवि में भी अब 30 जून तक आवेदन कर सकेंगे।

प्रवेश समन्वयक प्रो. अनिल गौरव की ओर से जारी सूचना के अनुसार यूजी और यूजी प्रोफेशनल पाठ्यक्रमों के लिए ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 15 जून से 22 जून कर दी गई है। पीजी व पीजी प्रोफेशनल कार्यक्रमों के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 15 से 25 जून हो गई है।

भाषा विश्वविद्यालय ने ज्यादातर पाठ्यक्रमों में पंजीकरण व प्रवेश के लिए समर्थ पोर्टल को 30 जून तक खुला रखने का निर्णय लिया है। प्रवेश समन्वयक प्रो. सौबान सईद ने बताया कि बीबीए, एमबीए, बीसीए, एमसीए, बीफार्मा, डीफार्मा, बीटेक, एमटेक, बीएएलएलबी, एलएलबी, बीकॉम और बीएससी बायोटेक्नोलॉजी को छोड़ अन्य पाठ्यक्रमों में अभ्यर्थी समर्थ पोर्टल से आवेदन व पंजीकरण कर सकते हैं।

कुलसचिव विकास ने कहा कि शेष पाठ्यक्रमों के लिए सीधे प्रवेश की प्रक्रिया पांच जून से शुरू हो चुकी है। इनमें बीए, एमकॉम, एमए (इतिहास, उर्दू, शिक्षा, समाजशास्त्र, राजनीति विज्ञान, हिंदी, अंग्रेजी) और एलएलएम जैसे पाठ्यक्रम शामिल हैं।

लविवि ने यूजी में अंतिम तिथि 15 से 22 जून की, पीजी के लिए 25 जून तक कर सकेंगे आवेदन

पीजी नॉन-सीयूईटी में बिना विलंब शुल्क आवेदन कल तक

लखनऊ। बीबीएयू ने सत्र 2026-27 के पीजी स्किल बेस्ड (नॉन-सीयूईटी) पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ा दी है। अब अभ्यर्थी 17 जून तक बिना विलंब शुल्क के पंजीकरण करवा सकेंगे। 18 से 24 जून तक एक हजार रुपये विलंब शुल्क के साथ आवेदन होगा। प्रवेश निगरानी समिति के चेयरपर्सन डॉ. अमित सिंह ने बताया कि पंजीकरण शुल्क सामान्य, ओबीसी और ईडब्ल्यूएस वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए 500 रुपये, एससी-एसटी और दिव्यांग वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए 300 रुपये है। विवि ने 25 मई से पीजी स्किल बेस्ड (नॉन-सीयूईटी) कार्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया शुरू की थी। इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश अर्हता परीक्षा में प्राप्त अंकों की मेरिट पर होगा। इन 11 कोर्सों में आवेदन की अंतिम तिथि 24 जून है। एक हजार रुपये के विलंब शुल्क के साथ 30 जून तक आवेदन कर सकते हैं। (माई सिटी रिपोर्टर)

DAINIK JAGRAN

अभ्युदय कोचिंग : 25 जून तक आवेदन, एक जुलाई से कक्षाएं

जासं • लखनऊ : सिविल सेवा सहित विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए संचालित मुख्यमंत्री अभ्युदय कोचिंग में आवेदन के लिए आवेदन की तिथि 25 जून तक बढ़ा दी गई है। अभी तक 12 जून तक समय दिया गया था। जिला समाज कल्याण अधिकारी अंजनी कुमार ने इसकी सूचना जारी की है।

लखनऊ में अभ्युदय योजना के प्रभारी राम बरन सिंह ने बताया कि राजधानी में 13 अभ्युदय केंद्र संचालित हैं, जिनमें नए सत्र 2026-27 की प्रवेश प्रक्रिया जारी है। इन केंद्रों पर अभ्यर्थी सुबह 10 से शाम पांच बजे के बीच आवेदन फार्म प्राप्त करके जमा भी कर सकते हैं। इनमें लखनऊ विश्वविद्यालय के ओएनजीसी भवन, नेशनल पीजी कालेज, कालीचरण कालेज, एपी सेन मेमोरियल गर्ल्स कालेज, नेताजी सुभाष चंद्र बोस महिला पीजी कालेज, भाषा विश्वविद्यालय, खुन खुन जी गर्ल्स कालेज, महाराजा बिजली पासी कालेज आदि शामिल है। अंतिम तिथि के बाद प्रवेश परीक्षा अथवा मेरिट के आधार पर किया जाएगा। एक जुलाई से कक्षाएं शुरू करने की तैयारी है।

मंगला देवी स्कूल में पहली बार शुरू होगी कोचिंग

कैंट के मंगला देवी जूनियर हाईस्कूल कैंट में पहली बार अभ्युदय कोचिंग शुरू होगी। यहां एनडीए और सीडीएस की तैयारी कराई जाएगी। विषय विशेषज्ञों के चयन की प्रक्रिया जारी है।

HINDUSTAN

एलयू में प्रवेश के लिए 25 तक आवेदन

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने केंद्रीयकृत प्रवेश प्रक्रिया के तहत स्नातक में सप्ताह और परास्नातक मे प्रवेश आवेदन की अंतिम तिथि दस दिन बढ़ा दी है। एलयू मे प्रवेश के लिए अब 25 जून तक आवेदन कर सकेंगे। प्रवेश समन्वयक प्रो. अनिल गौरव की ओर से जारी सूचना के अनुसार, यूजी व यूजी प्रोफेशनल के लिए ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 15 जून से 22 जून कर दी गई है। पीजी व पीजी प्रोफेशनल मे आवेदन की अंतिम तिथि 15 जून से 25 जून कर दी है।

I NEXT

20 तक आवेदन

LUCKNOW (15 June): उलखनऊ विश्वविद्यालय ने केंद्रीय प्रवेश प्रक्रिया में कालेजों को जुड़ने के लिए 20 जून तक समय बढ़ा दिया है कुलसचिव डा. भावना मिश्रा ने इसकी सूचना जारी की है.

DAINIK JAGRAN

लवि : दीक्षा समारोह के लिए समिति गठित

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय का 69वां दीक्षा समारोह 31 जुलाई को केजीएमयू स्थित अटल बिहारी वाजपेयी साइंटिफिक कंवेशन सेंटर मे होगा। इसकी तैयारी के लिए 15 समितियों के अध्यक्ष नियुक्त कर दिए गए है। समिति के अध्यक्षों से कहा गया है कि वह टीम का गठन कर रिपोर्ट उपलब्ध कराएं। वि.

केंद्रीय प्रवेश प्रक्रिया में 20 जून तक होंगे आवेदन

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने केंद्रीय प्रवेश प्रक्रिया मे कालेजों को जुड़ने के लिए अब 20 जून तक का समय बढ़ा दिया है। विश्वविद्यालय की कुलसचिव डा. भावना मिश्रा ने इसकी सूचना लखनऊ विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर जारी की है। कालेज वेबसाइट पर विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। वि.

20 तक अपलोड करने होंगे आंतरिक परीक्षाओं के अंक

लखनऊ : लवि ने यूजी व पीजी कोर्सों के दूसरे सेमेस्टर की प्रयोगात्मक, मौखिक, इंटर्नशिप एवं आंतरिक परीक्षाओं के अंक आनलाइन समर्थ पोर्टल पर अपलोड किए जाने की अंतिम तिथि 20 जून कर दी है। केंद्र अध्यक्षों को निर्देश दिए गए हैं कि 20 तक प्रयोगात्मक परीक्षाएं कराकर साफ्ट कापी 22 जून तक परीक्षा विभाग को उपलब्ध करा दे। (जासं)

DAINIK JAGRAN

लवि : यूजी और पीजी में आवेदन की तिथि बढ़ी

लखनऊ : लवि ने केंद्रीय प्रवेश प्रक्रिया के तहत यूजी व पीजी कोर्सों में आनलाइन आवेदन की तिथि बढ़ा दी है। यूजी में 22 जून और पीजी में 25 जून तक आवेदन किए जा सकेंगे। बी .फार्म पाठ्यक्रम में आवेदन की तिथि भी 15 जून से बढ़ाकर 30 जून कर दी गई है। बी .फार्म में प्रवेश सीयूईटी यूजी से होंगे। वही अभ्यर्थी अर्ह होंगे जिन्होंने इंटर फिजिक्स, केमिस्ट्री, बायोलाजी, मैथ्स से उत्तीर्ण की है। (जासं)

NBT

एलयू और भाषा यूनिवर्सिटी ने बढ़ाई आवेदन की तारीख

NBT न्यूज, लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय और ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय ने सत्र 2026-27 में दाखिले के लिए ऑनलाइन आवेदन की तिथियां आगे बढ़ा दी है। ऐसे में जिन छात्रों ने अब तक ऐडमिशन के लिए फॉर्म नहीं भरा है वह यूनिवर्सिटी की वेबसाइट पर समर्थ पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते है।

एलयू के प्रवेश समन्वयक प्रो. अनित्य गौरव ने बताया कि केंद्रीयकृत प्रवेश व्यवस्था के तहत स्नातक और यूजी प्रफेशनल पाठ्यक्रमों में ऑनलाइन फॉर्म भरने की अंतिम तारीख 15 जून से बढ़ाकर अब 22 जून कर दी गई है। वहीं, परास्नातक और पीजी प्रफेशनल पाठ्यक्रमों में आवेदन की तारीख को 15 जून से बढ़ाकर 25 जून किया गया है। साथ ही बीफार्मा कोर्स के लिए भी आवेदन की तारीख 30 तक बढ़ा दी गई है।

भाषा विश्वविद्यालय में 30 जून तक करें रजिस्ट्रेशन: भाषा विश्वविद्यालय ने भी छात्रों की सहूलियत के लिए समर्थ पोर्टल को 30 जून तक खुला रखने का फैसला किया है। प्रवेश समन्वयक प्रो. सौबान सईद के अनुसार, बीबीए, एमबीए, बीसीए, एमसीए, बीफार्मा, डीफार्मा, बीटेक, एमटेक, बीए एलएलबी, एलएलबी, बीकॉम और बीएससी (बायोटेक) जैसे चुनिंदा व्यावसायिक पाठ्यक्रमों को छोड़कर अन्य सभी कोर्सेज के लिए 30 जून तक पंजीकरण किया जा सकता है।

यूजी के लिए 22 जून और पीजी के लिए 25 जून तक कर सकेंगे आवेदन

DAINIK JAGRAN

असली जीवन तो 60 वर्ष के बाद ही होता है शुरू : डा . हीरालाल

- बुजुर्ग प्रजातांत्रिक तरीके से अपनी मांगों को इंटरनेट मीडिया पर उठाएं
- लवि में वृद्धजन दुर्व्यवहार जागरुकता दिवस पर हुआ कार्यक्रम

जासं • लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय स्थित राधा कमल मुकर्जी हाल में सोमवार को विश्व वृद्धजन दुर्व्यवहार जागरुकता दिवस पर जलवायु परिवर्तन पर वरिष्ठ नागरिकों की भूमिका विषय पर चर्चा की गई। इस दौरान पानी बचाने के कई तरीके बताए गए। मुख्य अतिथि आइएएस व सचिव राष्ट्रीय एकीकरण विभाग डा. हीरालाल ने वरिष्ठजन का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि 60 साल सिर्फ एक नंबर है, असली जिंदगी तो 60 साल के बाद ही शुरू होती है। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति को अपनी सेवानिवृत्ति की प्लानिंग करके रखनी चाहिए कि उसे 60 साल के बाद क्या करना है? अपने पसंदीदा काम करें और खुलकर जिंदगी जिएं। वृद्धजन से बढ़ रहे दुर्व्यवहार पर बोलते हुए कहा कि कहीं न कहीं इसके पीछे संबंधित बुजुर्ग जिम्मेदार हैं। उन्होंने कहा कि बुजुर्ग भी प्रजातांत्रिक तरीके से मांगों को इंटरनेट मीडिया पर उठाएं।

वहीं, वरिष्ठ नागरिक महासमिति के अध्यक्ष श्याम पाल सिंह ने प्रदेश सरकार से मांग करते हुए कहा कि वर्ष 2016 में बुजुर्गों के हितों के लिए जो नीति बनाई गई थी, उसे लागू कराया जाए, क्योंकि संबंधित 11 विभागों को पता ही नहीं है कि उन्हें बुजुर्गों के लिए करना क्या है? वर्तमान में बुजुर्ग चिकित्सा, सुरक्षा और एकाकी जीवन का सामना कर रहे हैं। अस्पतालों में अलग से कोई लाइन वरिष्ठ नागरिकों के लिए नहीं है। यूपी के 75 जिलों में सरकारी कल्याण मंडप हैं, इन कल्याण मंडपों के एक कमरे में लाइब्रेरी की मांग उठी तो शासन में बैठे अफसरों ने वीडियो कांफ्रेंस में सहमति जताई, लेकिन कुछ नहीं हुआ। वहीं, हेल्पएज इंडिया यूपी के राज्य प्रमुख अनूप पंत ने वार्षिक रिपोर्ट जारी की। रिपोर्ट में 10 राज्यों के 20 जिलों में 2224 बुजुर्गों पर किए गए सर्वे को बताया गया।

सभागार में हेल्पएज इंडिया द्वारा आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते डा. हीरालाल • जागरण

पेंशनरों की सभा कल, प्रधानमंत्री कार्यालय को भेजेंगे पत्र

लखनऊ : आठवें केंद्रीय वेतन आयोग के नोटिफिकेशन मे एक जनवरी 2026 से पूर्व पेंशनरों के पेंशन पुनरीक्षण व अन्य लाभों पर विचार कर रिपोर्ट देने के बिंदु को शामिल करने सहित 10 मांगों को लेकर हस्ताक्षर अभियान चलाया जा रहा है। सेवानिवृत्त कर्मचारी एवं पेंशनर एसोसिएशन 17 जून से इन हस्ताक्षर को प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) भेजेगा। संगठन के अध्यक्ष अमरनाथ यादव ने बताया कि बीएन सिंह प्रतिमा पर बुधवार को शाम चार बजे आमसभा आयोजित की जाएगी। वरिष्ठ उपाध्यक्ष बीएल कुशवाहा व महामंत्री ओपी त्रिपाठी ने सभा मे अधिक से अधिक पेंशनरों को शामिल होने की अपील की। वि.

DAINIK JAGRAN

लवि : विधि पाठ्यक्रमों की बीच में छोड़ी पढ़ाई तो अधूरी रहेगी डिग्री

पहले एवं दूसरे सेमेस्टर के कुल 12 प्रश्न पत्रों में से छह प्रश्न पत्रों में उत्तीर्ण होने पर तीसरे सेमेस्टर में मिलेगी प्रोन्नति

जासं • लखनऊ: लवि ने भले ही एलएलबी तीन और पांच वर्षीय पाठ्यक्रम में राष्ट्रीय शिक्षा नीति की व्यवस्था लागू कर दी है, लेकिन इसमें मल्टीपल एंट्री और एग्जिट की सुविधा नहीं मिलेगी। यानी प्रत्येक विद्यार्थी को डिग्री पूरी करना अनिवार्य होगा। बीच में कोर्स छोड़ने पर डिग्री पूरी अधूरी मानी जाएगी। इसको लेकर सोमवार को विश्वविद्यालय प्रशासन ने स्पष्ट निर्देश जारी किए।

छात्रों की निरंतर आ रही मांगों और बीसीआइ की लीगल एजुकेशन कमेटी के कड़े मानकों को ध्यान में रखते हुए विधि अध्ययन मंडल और संकाय परिषद ने एक विशेष संशोधन प्रस्ताव पारित किया है। इस नए प्रस्ताव के अनुसार, विधि त्रिवर्षीय एवं पंचवर्षीय पाठ्यक्रम के अध्यादेशों में एक बड़ा बदलाव किया गया। इसके तहत अब 75 अंक की लिखित परीक्षा तथा 25 अंक का आंतरिक मूल्यांकन होगा। अभी तक यह व्यवस्था 90:10 के अनुपात में थी। कुलपति प्रो. जेपी सैनी ने बताया कि अब विद्यार्थियों को परीक्षा पास करने के लिए न्यूनतम 45 प्रतिशत अंक प्रत्येक सेमेस्टर में लाना अनिवार्य होगा।

यदि कोई छात्र या छात्रा पहले एवं दूसरे सेमेस्टर के कुल 12 प्रश्न पत्रों में से छह में उत्तीर्ण हैं और शेष में अनुत्तीर्ण, तो भी उन्हें विशेष राहत देते हुए तीसरे सेमेस्टर में प्रोन्नत कर दिया जाएगा। प्रवक्ता प्रोफेसर मुकुल श्रीवास्तव ने बताया कि इसमें मल्टीपल एग्जिट और एंट्री की सुविधा नहीं रहेगी। विद्यार्थियों को डिग्री पूरा करना अनिवार्य होगा।

I NEXT

एलयू: 20 जून तक अपलोड करने होंगे आंतरिक अंक

LUCKNOW (15 June): लखनऊ विश्वविद्यालय ने स्नातक व परास्नातक पाठ्यक्रमों के दूसरे सेमेस्टर की प्रयोगात्मक, मौखिक, इंटर्नशिप एवं आंतरिक परीक्षाओं के अंक आनलाइन समर्थ पोर्टल पर अपलोड किए जाने की अंतिम तिथि 20 जून निर्धारित कर दी है. परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी की ओर से जारी सूचना के अनुसार विश्वविद्यालय की ओर से नियुक्त वाह्य परीक्षकों को परीक्षा कराने के बाद लागइन के माध्यम से समर्थ पोर्टल पर अंक अपलोड करने होंगे. इसकी सूची आंतरिक एवं वाह्य परीक्षक के हस्ताक्षर के बाद अनिवार्य रूप से विश्वविद्यालय में जमा की जाएगी. सभी केंद्र अध्यक्षों को निर्देश दिए गए हैं कि 20 जून तक प्रयोगात्मक परीक्षाएं कराकर उसकी साफ्ट कापी 22 जून तक परीक्षा विभाग को उपलब्ध करा दें, जिससे समय से परीक्षा परिणाम घोषित किए जा सकें.

I NEXT

यूजी पीजी एडमिशन के लिए एक्सटेंड की डेट्स

एलयू, एकेटीयू, केएमसी जैसी यूनिवर्सिटीज ने बढ़ाई डेट

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW (15 June): राजधानी लखनऊ में एलयू, केएमसी, एकेटीयू जैसी यूनिवर्सिटीज में एडमिशन लेने वाले स्टूडेंट्स के लिए अच्छा मौका है क्योंकि इन यूनिवर्सिटीज ने एडमिशन डेट बढ़ा दी है. एलयू में पीजी एडमिशन अप्लीकेशन की डेट 15 से बढ़ाकर 25 कर दी गई है, यूजी में एडमिशन के लिए अप्लाई करने की डेट 15 से 22 कर दी है और बीफार्मा मेंएडमिशन के लिए अब 30 जून तक अप्लाई कर सकेंगे. वहीं, ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती लैंग्वेज यूनिवर्सिटी ने भी अप्लाई करने की डेट 30 जून तक बढ़ा दी है. जबकि एकेटीयू की तरफ से जारी सूचना के मुताबिक, बीटेक कोर्सेज में एडमिशन के लिए रजिस्ट्रेशन प्रोसेस की डेट 22 जून तक बढ़ा दी गई है.

80 हजार ने किया अप्लाई

यूपीटीएसी के कोऑर्डिनेटर प्रो. ओपी सिंह के अनुसार, अब तक करीब 80 हजार कैंडिडेट्स ने रजिस्ट्रेशन किया है. उन्होंने बताया कि पहले रजिस्ट्रेशन की लास्ट डेट 15 जून तक थी. पांच एवं दो विशेष चरणों में होने वाली काउंसलिंग प्रक्रिया के तहत पहले चरण की च्वॉइस फिलिंग और लॉकिंग दो जुलाई तक होगी जबकि सीट अलॉटमेंट चार जुलाई को किया जाएगा. वहीं, सीट कंफर्मेशन, फ्रीज एवं सीट फ्लोट 4 जुलाई से 7 जुलाई तक चलेगा. दूसरे चरण में च्वॉइस फिलिंग 8 जुलाई से 9 जुलाई तक होगी. सीट अलॉटमेंट 11 जुलाई को होगा. सीट कंफर्मेशन शुल्क 11 से 13 जुलाई तक जमा होगा. सीट फ्रीज एवं फ्लोट 11 से 13 जुलाई तक होगी. तीसरे चरण में ऑनलाइन च्वॉइस लॉकिंग 14 से 15 जुलाई तक होगी. सीट अलॉटमेंट 17 जुलाई को होगा. सीट कंफर्मेशन शुल्क एवं सीट फ्रीज एवं फ्लोट 17 से 18 जुलाई तक किया जा सकेगा. चौथे चरण में सीट अलॉटमेंट 19 जुलाई को होगा. सीट कंफर्मेशन शुल्क 19 से 21 जुलाई तक किया जाएगा. ऑनलाइन सीट विड्रा 19 से 24 जुलाई तक करने का मौका मिलेगा. पहले चार चरणों में सीट लॉक करने वालों को 22 से 24 जुलाई तक फिजिकल रिपोर्टिंग करनी होगी.

I NEXT

जैसा मूड, वैसी मूवी बताएगा एआई बेस्ड अनोखा सिस्टम

एलयू के इंजीनियरिंग फैकल्टी के स्टूडेंट ने बिग डेटा बेस्ड रेकमेंडेशन सिस्टम किया तैयार

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW (15 June): ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर अपनी फेवरेट मूवी या सीरीज ढूंढने में कई बार काफी टाइम लगता है, जिससे कई बार लोगों का मूड ऑफ हो जाता है. कैसा रहे अगर एप खोलते ही आपको आपके मूड के अकॉर्डिंग सीरीज या मूवी का ऑप्शन मिल जाए, मजा आ जाएगा न? इसे देखते हुए लखनऊ यूनिवर्सिटी की इंजीनियरिंग फैकल्टी के बीटेक स्टूडेंट यथार्थ प्रकाश ने एक मूवी रेकमेंडेशन सिस्टम बनाया है, जिसके लिए उनको एक बड़ी कॉरपोरेट ऑर्गनाइजेशन ने न सिर्फ 1 लाख रुपए और ट्रॉफी के साथ सम्मानित किया बल्कि 1 साल के लिए एज ए कैंपस एंबेसडर अपॉर्चुनिटी भी दी है.

एआई सिस्टम करता है रेकमेंड

यथार्थ ने बताया कि मैंने छठे सेमेस्टर में बिगडेटा में एनरोल किया था, जहां पर मैंने ट्रेनिंग लेने के बाद एक प्रोजेक्ट बनाया, जो सक्सेसफुल हुआ. ये प्रोजेक्ट मैंने अपने प्रोफेसर डॉ. हिमांशु पांडेय की गाइडेंस में तैयार किया.इसे बनाने में 2 महीने का टाइम लगा, क्योंकि कोडिंग और बाकी के कामों में एआई टेक्नोलॉजी का यूज किया गया. ये सिस्टम प्लेटफॉर्म में इम्पलीमेंट किया जा सकेगा, इसके बाद ये एनालिसिस के बेस पर आपको आपकी पसंद के मुताबिक मूवीज और सीरीज रेकमेंड करेगा.

हेल्दीटिक्स को भी मिला सपोर्ट

एलयू इंजीनियरिंग फैकल्टी की ही स्टूडेंट रेखा को भी उनके प्रोजेक्ट हेल्दीटिक्स के लिए सम्मानित किया गया, जो टीबी जैसी बीमारियों की निगरानी और एनालिसिस करती है. यह भी एक तरह का डेटा बेस्ड फ्रेमवर्क है.